

अपठित गद्यांश

संसार का प्रत्येक प्राणी परिश्रम करता है। मनुष्य और पशु-पक्षी दिन-रात अपने-अपने काम में जुटे रहते हैं। परिश्रम से ही मनुष्य ने सभ्य जीवन प्राप्त किया है। परिश्रम द्वारा असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। जीवन की सफलता परिश्रम करने से ही मिलती है। जो लोग परिश्रम छोड़कर भाग्य का सहारा लेते हैं, वे असफल रहते हैं। मनुष्य परिश्रम से ही अपना भाग्य बनाता है। ईश्वर भी परिश्रमी व्यक्ति की ही सहायता करता है। परिश्रम से सुख और समृद्धि प्राप्त होती है। अतः हमें निरंतर परिश्रम करके जीवन को उन्नत करना चाहिए।

प्र.1. जीवन में सफलता कैसे मिलती है?

प्र.2. कैसे व्यक्ति जीवन में असफल रहते हैं?

प्र.3. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए?

(क) सफलता _____

(ग) दिन _____

(ख) सभ्य _____

(घ) सुख _____

प्र.4. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए—

प्र.5. गद्यांश में से दो अनुस्वार शब्द छँटकर लिखिए—

संयुक्ताक्षर

दो व्यंजनों के मेल से संयुक्त व्यंजन बनते हैं

प्र. नीचे दिए गए संयुक्त व्यंजन से दो-दो शब्द बनाकर लिखिए—

क् + ष = क्ष _____ , _____

ज् + ञ = झ _____ , _____

त् + र = त्र _____ , _____

श् + र = श्र _____ , _____

प्र. दी गई मात्राओं के दो-दो शब्द लिखिए—

<u>स्वर</u>	<u>मात्रा</u>	<u>शब्द</u>	
आ	।	_____	, _____
इ	ि	_____	, _____
ई	ी	_____	, _____
उ	ु	_____	, _____
ऊ	ू	_____	, _____
ए	ँ	_____	, _____
ऐ	ै	_____	, _____
ओ	ौ	_____	, _____
औ	ौ	_____	, _____
ऋ	ॠ	_____	, _____

प्र. निम्नलिखित स्वरों और व्यंजनों को समझकर पूरा करो-

स्वर	अ	_____	इ	_____	उ
	_____	ए	ऐ	_____	_____
	ऋ	_____	_____	_____	_____
व्यंजन	क	_____	ग	_____	ङ
	_____	_____	ज	झ	_____
	_____	ठ	_____	ढ	_____
	त	_____	द	_____	न
	प	फ	_____	भ	_____
	य	_____	ल	_____	_____
	श	ष	_____	_____	_____

प्र. दिए गए चित्र को देखकर कुछ वाक्य लिखिए—


